>

Title: Need to implement the Tilayya-Dhodhar Irrigation Project in Jahanabad Parliamentary Constituency of Bihar.

श्री जगदीश शर्मा : सभापति महोदय, आप और पूरा देश जानता है कि बिहार का गया, नवादा, नालंदा और झारखंड का कोडरमा इलाका, जमुई का इलाका है, सूखाग्रस्त है। वहां के लोगों का मूल काम खेती है। आज से 35 साल पहले जब बिहार और झारखंड एक थे, बिहार में एक बड़ी सिंचाई परियोजना तिलैया-घाघर की स्वीकृत हुई थी। उस पर काम शुरू हुआ और अभी तक 1100 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, लेकिन एक इंच जमीन का पटबन का काम नहीं हुआ है। जब झारखंड बिहार राज्य से अलग होकर नया राज्य बना तो ये दो नदियां इन जिलों से होकर गुजरती हैं, इन दोनों पर जल प्रबंधन एक बढ़िया नमूना था और इस परियोजना से न केवल उस इलाके की सिंचाई होती, बल्कि वहां पन बिजली का उत्पादन करने का भी लक्ष्य था। हम बार-बार केन्द्र सरकार से कह रहे हैं, लेकिन वह राशि नहीं दे रही है। दोनों राज्यों के बंटवारे के बाद बिहार की जो पूर्ववर्ती सरकार थी, वह उदासीन हो गई और उस परियोजना पर काम ठप हो गया। किसानों की हजारों एकड़ जमीन नहरें बनाने के लिए ले ली गई। जगह-जगह नहरें खोद भी दी गई, एकाध जगह बैराज भी बनाया गया, लेकिन एक बीघा में या हमारे वहां की भाषा में एक धूर कहते हैं, तो एक इंच पटबन का काम नहीं हुआ।

वहां के किसान और लोग इस बात को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उनके साथ कई संगठन भी जुड़ गए हैं। यह बड़ा महत्वपूर्ण सवाल है। आप हम सांसदों के दर्द को समझते हैं, आपसे अधिक समझने वाला कोई नहीं है। आप समझ सकते हैं कि वहां के सांसदों की इस समय क्या स्थिति होगी। चार-पांच सांसदों का तो हाल ही में घेराव भी हुआ है। एक कहावत है कि जब बच्चा रोता नहीं है, तो मां दूध नहीं पिलाती। यही बात यहां हो गई है, लेकिन यहां रोने की स्थिति से ऊपर बात चली गई है, आंदोलन ने अपनी राह पकड़ ली है। इस आंदोलन की अगुवाई एक अधिवक्ता महेन्द्र सिंह जी कर रहे हैं। यह वहां की जनता का सवाल है, पटबन का सवाल है। अब यह केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह उस अहिंसक आंदोलन को हिंसक होने से बचाए। इसलिए हमारी आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग है कि उस इलाके के पटबन के लिए राज्य सरकार के जल संसाधन विभाग के प्रतिनिधियों को बुलाए। इसके अलावा जो आंदोलन में शरीक हैं महेन्द्र सिंह जी, उन्हें भी बुलाए और उस परियोजना के लिए पर्याप्त राशि देकर कार्य को पूरा कराए।